सुजानगढ़ को जिला नहीं बनाने पर क्षेत्र के लोगों में रोष, सीएम गहलोत व क्षेत्रीय विधायक का पुतला फूंका

जिला नहीं बनने पर विधायक मनोज मेघवाल ने बयान देते हुए कहा कि सुजानगढ जिला बनता तो लाडनूं को उसमें शामिल किया जाता

सुजानगढ़, (निसं)। सुजानगढ़ को जिला नहीं बनाने पर क्षेत्र के लोगों में रोष देखने को मिला। गांधी चौक में जनहित संघर्ष मोर्चा के बैनर तले क्षेत्र के लोगों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व क्षेत्रीय विधायक मनोज मेघवाल का पुतला फूंक कर आक्रोश जताया। इस मौके पर जनहित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रामकुमार मेघवाल ने कहा कि क्षेत्र की जनता के साथ मुख्यमंत्री गहलोत ने धोखा किया है। साथ ही कहा कि क्षेत्र का नेतृत्व कमजोर होने के कारण सुजानगढ जिला नहीं बन पाया। आरएलपी नेता बाबूलाल कुलदीप ने कहा कि विधायक मनोज मेघवाल का प्रतिनिधित्व मजबूत नहीं है। कुलदीप ने कहा कि उपचुनाव में जनता ने कांग्रेस को भारी मतों से जिताया था।

- **विधायक ने कहा कि लेकिन एनवक्त पर वहां के विधायक भाकर ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर डीडवाना को नया जिला बनाने की अनुशंषा कर लाडनूं को डीडवाना में शामिल करने की मांग कर डाली**

सुजानगढ़ के गांधी चौक में लोगों ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

सुजानगढ जिले को लेकर सभी मापदंड पूरे करता है। फिर भी सुजानगढ को जिला बनाया गया, जो क्षेत्र की जनता के छलावा है। रामनायारण रूलाणियां ने कहा कि कांग्रेस को वोट की चोट आगामी चुनावों में क्षेत्र की जनता द्वारा दी जायेगी। बनवारी बिजारणियां ने कडे शब्दों में विधायक व मुख्यमंत्री की निंदा की। इस मौके पर विरेन्द्र सैन, नरेन्द्र गुर्जर, जितेन्द्र भार्गव, नरेन्द्र रणवां, लालनाथ, कमल दाधीच सहित क्षेत्र के अनेकों लोगों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

विधायक ने दिया बयान :- जिला नहीं बनने पर विधायक मनोज मेघवाल ने बयान देते हुए कहा कि सुजानगढ जिला बनता तो लाडनूं को उसमें शामिल किया जाता है। लेकिन एनवक्त पर वहां के विधायक मुकेश भाकर ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर डीडवाना को नया जिला बनाने की अनुशंषा कर लाडनूं को डीडवाना में शामिल करने की मांग कर डाली। जिस कारण सुजानगढ जिला नहीं बन पाया। वहीं विधायक मनोज मेघवाल ने कहा कि सुजानगढ जिले को लेकर सभी मापदंड पूरे करता है। क्षेत्र की मांग पूरी होनी चाहिये।

मालपुरा को जिला नहीं बनाने पर विधायक ने दी आंदोलन की चेतावनी

मालपुरा, (निसं)। शुक्रवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रदेश में नये जिलों की घोषणा में मालपुरा को जिला बनाने को लेकर भाजपा विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर आंदोलन की चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री से पुनः विचार किये जाने की मांग की है।

- **भाजपा विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से पुनः विचार किये जाने की मांग की**
- **विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर आंदोलन की चेतावनी दी**
- **सोशल मीडिया पर शुरू हुई बहस से लोगों का गुस्सा प्रदेश कांग्रेस सरकार के प्रति देखा गया**

विधायक चौधरी ने कहा कि रियासत काल से बसे व सभी सुविधाओं से सम्पन्न तथा जिला बनने के सभी मापदण्ड पूरे करने वाले मालपुरा को जिला बनाये जाने के लिए मालपुरा की जनता ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखने के साथ-साथ अपनी भावनाओं से अवगत करवाये जाने के बावजूद राजनैतिक द्वेषता पूर्ण व्यवहार करते हुए मालपुरा की अनदेखी कर मालपुरा को दूदू व केकडी में मिलाये जाने की मंशा को जनभावनाओं के विपरीत बताते हुए क्षेत्र की जनता के साथ आंदोलन किये जाने की चेतावनी दी। विधायक चौधरी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से एक बार फिर से पुर्नविचार करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद मालपुरा में सोशल मीडिया पर शुरू हुई बहस से एकाएक लोगों का गुस्सा प्रदेश की कांग्रेस सरकार के प्रति इस कदर देखा गया कि भाजपा व कांग्रेस सहित अन्य राजनैतिक पार्टियों से जुड़े वरिष्ठ नेताओं तथा शहर के लोगों ने यहां तक लिखा कि तीस साल से हार का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी को मालपुरा में मुख्यमंत्री जीत का सेहरा पहनने के विरोध में है। मुख्यमंत्री भी यही चाहते कि मालपुरा से कांग्रेस पराजित होती रहे। मुख्यमंत्री ने दबाव में आकर केकडी व दूदू को जिला बनने के मापदण्ड पूरे नहीं करने के बावजूद जिला बनाकर मालपुरा का हक छीना है।

सांभर को जिला बनाने की सात दशक से चली आ रही मांग अधुरी रही

सांभर अब कभी जिला घोषित नहीं हो सकता, क्योंकि सांभर और नवीन जिला घोषित दूदू की दूरी महज करीब 30 किलोमीटर है

सांभरझील, (निसं)। प्रदेश के मुखिया अशोक गहलोत की ओर से नए जिलों की कि गई घोषणा के तहत दूदू को नए जिले की सौगात देने के बाद अब सांभर को जिला बनाने की 7 दशकों से चली आ रही मांग का आज दुखद पटाक्षेप हो गया है। यानी अब सांभर कभी जिला घोषित नहीं हो सकता क्योंकि सांभर और नवीन जिला घोषित दूदू की दूरी यहां से महज करीब 30 किलोमीटर दूरी पर ही है। सांभर को जिला घोषित करवाने के लिए वर्ष 1952 से जितने भी आंदोलन और धरना प्रदर्शन हुए उन सब का परिणाम एक झटके में शून्य हो गया। हकीकत तो यह है कि सांभर को जिला घोषित करवाने के लिए बीते वर्षों में ऐसा कोई दमदार विधायक अथवा प्रतिपक्ष नेता हुआ ही नहीं जो सांभर के भले की सोचता हो।

जितने भी विधायक फुलेरा विधानसभा से जीत कर के आए वे तथाकथित इने गिने राजनेताओं के सुझाव पर इर्द-गिर्द ही पूरे 5 साल तक अपनी राजनीति चलाते रहे और आमजन इस रणनीति को आज तक नहीं समझ पाया। खास बात यह रही कि विपक्ष के नेता और विधायक दोनों ही सांभर को जिला बनाने के लिए ऐसा कोई प्रमाण और उदाहरण पेश नहीं कर पाए जिससे ऐसा परिलक्षित होता हो की नवीन जिला घोषित करने की मांग के दौरान सांभर का पक्ष प्रमुखता से उभर कर सामने आया हो। इसका सबसे बड़ा एक और कारण यह भी रहा है कि सोशल मीडिया पर राजनीतिक रूप से एक दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश ने भी सांभर की एकजुटता में कहीं न कहीं टकराव पैदा किया है। दोनों राजनीतिक दलों के स्थानीय नेताओं में आपसी विचार धारा का अभाव तो शुरू से ही रहा है।

- **सांभर को जिला घोषित करवाने के लिए वर्ष 1952 से जितने भी आंदोलन और धरना प्रदर्शन हुए उन सब का परिणाम एक झटके में शून्य हो गया**

यह बताना जरूरी है कि अभिभाषक संघ सांभर लेक की ओर से अपर जिला कलेक्टर कार्यालय खुलवाने की मांग करीब 40 सालों से लगातार की जा रही है लेकिन इस मांग को भी सरकार ने कभी पूरा करना मुनासिब नहीं समझा और ना ही यहां के सत्तापक्ष और विपक्ष के लोगों ने कभी इस मामले में खुलकर उनका साथ दिया। सांभर को जिला घोषित नहीं करने से हालांकि सांभर सहित क्षेत्र की हजारों लोगों में मायूसी व्याप्त है। इस मामले में विधायक निर्मल कुमावत ने कहा कि कांग्रेस राज में दूदू को जिले की घोषणा कर फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है। दूदू को जिला बनाना ही दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में सभी नगर पालिकाओं में कांग्रेस के चेयरमैन, कांग्रेस के प्रधान है इसके बावजूद सांभर के साथ भेदभाव हुआ है।

बीकानेर में कोरोना ने एक बार फिर दस्तक दी

यूरोलॉजी व टी.बी. हॉस्पिटल में भर्ती दो मरीज पॉजिटिव

बीकानेर, (निसं)। कोरोना ने एक बार फिर दस्तक दे दी है। इस साल मार्च के महीने में पांच दिन में पांच केस रिपोर्ट हो चुके हैं। इनमें से एक को पीबीएम हॉस्पिटल के डी वार्ड आईसीयू में भर्ती किया गया है। पीबीएम हॉस्पिटल के यूरोलॉजी विभाग में भादरा से आए एक रोगी को भर्ती किया गया था। उनके गुर्दे में गांठ का ऑपरेशन होना है। जांच में कोरोना पॉजिटिव आने पर उन्हें घर भेज दिया गया। मरीज की स्थित गंभीर बताई जा रही है। इसी प्रकार टीबी हॉस्पिटल में भर्ती एक मरीज कोरोना पॉजिटिव आ गया। उसे गुरुवार को डी वार्ड आईसीयू में भर्ती कर लिया गया।

डॉक्टरों का कहना है कि मरीज खतरे से बाहर है। इसी प्रकार एक मरीज नापासर और दो देशनोक के कोरोना पॉजिटिव आए हैं। देशनोक में दादी और उनके तीन साल के पोते के कोरोना हुआ है। तीनों को घर पर ही आइसोलेट किया गया है। इस साल में मार्च में पांच दिन में पांच केस कोरोना पॉजिटिव आ गए हैं। लेकिन पीबीएम हॉस्पिटल में फिलहाल कोरोना से निपटने की तैयारी नहीं है। क्योंकि कोरोना अलविदा मानते हुए एमसीएच कोविड हॉस्पिटल बंद किया जा चुका है। सरकार और दानदाताओं की ओर से दिए गए करोड़ों के उपकरण धूल फांक रहे हैं। पीबीएम प्रशासन ने एकबारगी डी वार्ड को कोरोना रोगियों के लिए सेपरेट कर दिया है। डी वार्ड आईसीयू हाल ही में तैयार किया गया था। इसमें इंफ्लूएंजा के गंभीर रोगियों को रखा जा रहा था। अब कोरोना के रोगियों को रखा जाएगा।

कोरोना का पता लगाने के लिए सैंपलिंग और बचाव के लिए वैक्सीनेशन दोनों ही बंद हैं। दिसंबर के बाद वैक्सीन ही नहीं आई। अस्पतालों के सर्दी, जुकाम, बुखार, गंभीर बीमार या ऑपरेशन वाले मरीजों की ही कोरोना की जांच हो रही है। पॉजिटिव केस इन्हीं में से आ रहे हैं।

डॉ. पीके सैनी, अधीक्षक, पीबीएम हॉस्पिटल का कहना है कि कोरोना के दो केस पॉजिटिव रिपोर्ट हुए हैं। एक को भर्ती कर लिया गया है। कोरोना मरीजों के लिए डी वार्ड सेपरेट कर दिया गया है। रेमडेसिविर भी मंगवाए जाएंगे। हालांकि अब यह एक वायरल की तरह ही है।

सड़क हादसे में दो जनों की मौत

टोंक, (निसं)। मेहंदवास थाना क्षेत्र के निर्बाना गांव के पास गुरुवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार दो जनों की मौत हो गई। हादसा निमोला व निर्बाना गांव के बीच गुरुवार रात 9 बजे हुआ। मेहंदवास थाना प्रभारी देवेन्द्रसिंह ने बताया कि मृतक निर्बाना निवासी रामलाल बैरवा पुत्र मांगीलाल व नरसी मीणा पुत्र परशराम है। दोनों निमोला कट से खेत पर जा रहे थे, इसी बीच सामने से जा रहे वाहन ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची एम्बूलेंस ने घायलों को सआदत अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक रामलाल व नरसी दोनों मेहनत मजूदरी कर घर का खर्चा चलाते थे।

रसद विभाग की टीम पर हमला, डी.एस.ओ. गंभीर घायल

अजमेर, (कासं)। जिला रसद विभाग द्वारा चलाए जा रहे जांच अभियान के तहत शुक्रवार को मांगलियावास थाना क्षेत्र के केसरपुरा हाइवे पर रसद विभाग की टीम डीएसओ विनय कुमार के नेतृत्व में होटल जयपुर गोल्डन पर अवैध बायोगैस टैंकर की सूचना मिलने पर कार्यवाही करने पहुंची, तभी अज्ञात बदमाशों ने हमला बोल दिया, जिसमें डीएसओ गंभीर रूपसे घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने डीएसओ को अस्पताल पहुंचाया। मामले पुलिस ने पांच को पकड़ा है।

मांगलियावास थाना क्षेत्र में शुक्रवार अल सुबह जब रसद विभाग की टीम से बदमाशों ने मारपीट की। जब जिला रसद अधिकारी विनय कुमार के नेतृत्व में टीम मांगलियावास थाना क्षेत्र के केसरपुरा हाईवे स्थित होटल जयपुर गोल्डन पर अवैध बायोगैस टैंकर की सूचना पर मिलने पर कार्रवाई करने पहुंचे थे। जब टीम ट्रक के पास खड़े लोगों से पूछताछ कर रही थी, इसी दौरान वहां मौजूद कुछ बदमाशों ने जिला रसद अधिकारी सहित उनकी टीम पर जानलेवा हमला कर दिया।

हमले में डीएसओ विनय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर मांगलियावास थाना प्रभारी सुनील, एएसआई भगवान सिंह टीम के साथ पहुंचे। मांगलियावास थाना प्रभारी सुनील ने बताया कि रसद विभाग के अधिकारी योगेश मिश्रा की रिपोर्ट पर पुलिस ने मारपीट, लूट और राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज किया है। जिला रसद विभाग की टीम पर हुए जानलेवा हमले व मारपीट के मामले में एसपी चूनाराम जाट के दिशा निर्देशों पर टीमों का गठन किया है।

तेज हवाओं के साथ बारिश व ओलावृष्टि हुई, फसलों में हुआ नुकसान

जौ, चना, गेंहू और सरसों, सब्जियों सहित अन्य फसलें प्रभावित होने से किसानों की चिंता बढ़ी

विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में कई गांवों में ओले गिरे।

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को मौसम का मिजाज बदल गया। तेज हवाओं के साथ सुबह से ही बादलों व धूप की आवाजाही का सिलसिला चला। शाम को तेज बरसात के दौरान ओलावृष्टि भी हुई, इससे फसलों को नुकसान हुआ है।

वहीं पावटा प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कैलाश ताखर, हरी प्रसाद बल्लीवाल, महेंद्र शर्मा, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि मुखराम धनकड़ सहित जनप्रतिनिधियों ने बताया कि जौ, चना, गेंहू और सरसों, सब्जियों सहित अन्य फसलें प्रभावित होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है।

- **विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में तेज बारिश व ओलावृष्टि से किसानों को काफी नुकसान हुआ**

विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में तेज बारिश व ओलावृष्टि से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। किसान की फसल पककर तैयार थी कटाई पर थी। बारिश के साथ ओलावृष्टि देख किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें झलकने लगीं। किसानों के अनुसार फसलों सहित बागानी व साग सब्जी की फसलें बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से प्रभावित हुई हैं। बारिश, ओलावृष्टि और ठंडी हवाएं चलने से मौसम में गलन बढ़ गई. तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

मारवाड़ में बदला मौसम

जोधपुर, (कासं)। मारवाड़ में शुक्रवार को मौसम बदल गया। कई स्थानों पर आंधी और बारिश भी हुई। जोधपुर संभाग में सुबह से मौसम बदला नजर आया। दोपहर में अचानक आई आंधी ने सब कुछ अस्त-व्यस्त कर डाला। तेज आंधी से कई जगहों पर पेड़ पौधे उखड़ गए। कुछेक स्थानों पर बंबूदाबांदी भी हुई। बूंदाबांदी होने से मौसम ठंडा हो गया और वातावरण में ठंडक घुल गई। आसमां में बादल छाने से मौसम खुशनुमा बना रहा। धूप छांव की स्थिति दिन भर बनी रही।

मौसम विभाग ने आगामी 19 मार्च तक प्रदेश में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी दी थी। मारवाड़ में हालांकि दो दिनों से आसमां पर बादल छाए हुए है। शुक्रवार की दोपहर में अचानक से मौसम तेजी से बदला और आंधी चली। आंधी से एक बारगी राहगीरों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ गई। आंधी चलने से कई स्थानों पर पेड़ पौधे उखड़ कर टूट गए और टिनटपर भी उड़ गए। शहर के महामंदिर इलाके पावटा, बीजेएस में बूंदाबांदी की जानकारी मिली। फिलहाल आसमां में बादलों के छाने से मौसम खुशनुमा होने के साथ ठंडी बयार चल रही है। धूप छांव भी चल रही है।

श्रीगंगानगर व सूरतगढ़ में ओले गिरने से ठंडक बढ़ी

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला मुख्यालय पर देर रात अंधड़ और बारिश के बाद शुक्रवार सुबह बूंदाबांदी हुई। इससे मौसम में ठंडक बढ़ गई। जिले के सूरतगढ़ इलाके के कालूसर और एटा में देर रात ओले गिरने से सर्दी में तेजी आ गई। इन दिनों मैक्सिमम तापमान 35 के पार हो जाने से गर्मी असर दिखाने लगी थी, दिन में पंखों की जरूरत महसूस होने लगी थी वहीं शाम के समय चलने वाली ठंडी हवा भी सुहाने लगी थी, लेकिन गुरुवार देर रात अचानक मौसम में आए बदलाव से लोगों को कंबल और चद्दरें ओढ़ने पड़े। वहीं अल सुबह बूंदाबांदी ने सर्दी बढ़ा दी।

इलाके में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस असर दिखा रहा है। इसी से देर रात कालूसर और ऐटा में ओले गिरे। इससे सर्दी का असर तेज हो गया। वेदर एक्सपर्ट बताते हैं कि मौसम में इस बदलाव का असर अगले कुछ दिन बना रहेगा। शुक्रवार को मौसम में बदलाव का यह असर नजर भी आया। इलाके में अगले चौबीस घंटे में मेघ गर्जन के साथ तेज हवा चलेगी। एक्सपर्ट बताते हैं कि शुक्रवार सुबह का तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है।

बीकानेर संवाददाता के अनुसार:- रुक-रुक कर हो रही रिमझिम बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया है। तापमान में गिरावट आई है और शुक्रवार को दिनभर ऐसा ही माहौल रहने की उम्मीद की जा रही है। पिछले एक सप्ताह में बीकानेर में दूसरी बार हल्की बारिश हुई है। जबकि मौसम विभाग मेघगर्जन के साथ बारिश की चेतावनी दे रहा है।

मौसम विभाग ने शुक्रवार सुबह ही जयपुर, जयपुर शहर, दौसा, अलवर, भरतपुर, सीकर, चूरू, नागौर, जैसलमेर और बीकानेर में कहीं कहीं मेघ गर्जन के साथ बूंदाबांदी और हल्की बारिश की चेतावनी दी थी। सुबह नौ बजे दी गई इस चेतावनी से पहले ही बीकानेर में बूंदाबांदी शुरू हो चुकी थी। सुबह छह बजे से बीकानेर के कई क्षेत्रों में हल्की बारिश हई। हालांकि कहीं से भी तेज बारिश की सूचना नहीं है। शहरी क्षेत्र में सड़कों को भिगाने तक की बारिश हुई है। गांवों में भी तेज बारिश नहीं हुई है। बीकानेर के अलावा श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू में भी बादल छाए हुए हैं। इस मौसम के बाद बीकानेर में हवाओं में ठंडक बढ़ी है। सर्दी का अहसास होने लगा है।

मौसम बदलने से किसान मायूस

निवाई, (निसं)। शुक्रवार की शाम अचानक मौसम बदल गया और आकाश में बादल छा गए। मौसम बदलने के साथ ही तेज ठण्डी हवाएं चलने लगी जिससे लोगों को ठण्ड का अहसास हुआ। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुरूप तीन दिन से मौसम में परिवर्तन हो रहा है। शुक्रवार की सुबह आकाश में काली घटाएं छा गई और बूंदाबांदी हुई। बूंदाबांदी होने से मौसम ठण्डा हो गया। दिन में आकाश साफ हो गया और धूप खिली। शम को 5 बजे बाद फिर मौसम पलट गया और बादलों ने पूरे आकाश को अपने आगोश में ले लिया। बादलों के छा जाने से अंधेरा हो गया और हल्की बूंदाबांदी भी हुई। मौसम के बदले जाने व बरसात होने की संभवना के चलते किसानों के चेहरे पर मायूसी छा गई। किसान कटी हुई फसलों को समेटते हुए दिखाई दिए।

सांभर संवाददाता के अनुसार:- आज दोपहर से तेज हवा और अंधड़ चलने के साथ आसमान में काली घटाओं के साथ बादल छाए रहने से मौसम बदल गया। जहां शुरुआत में हल्की और कुछ ही देर बाद अचानक झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। शाम को आसमान में बादल छा गए और अचानक तेज गति से हवा का दौर चलने लगा।